TREE GROWERS' MELA

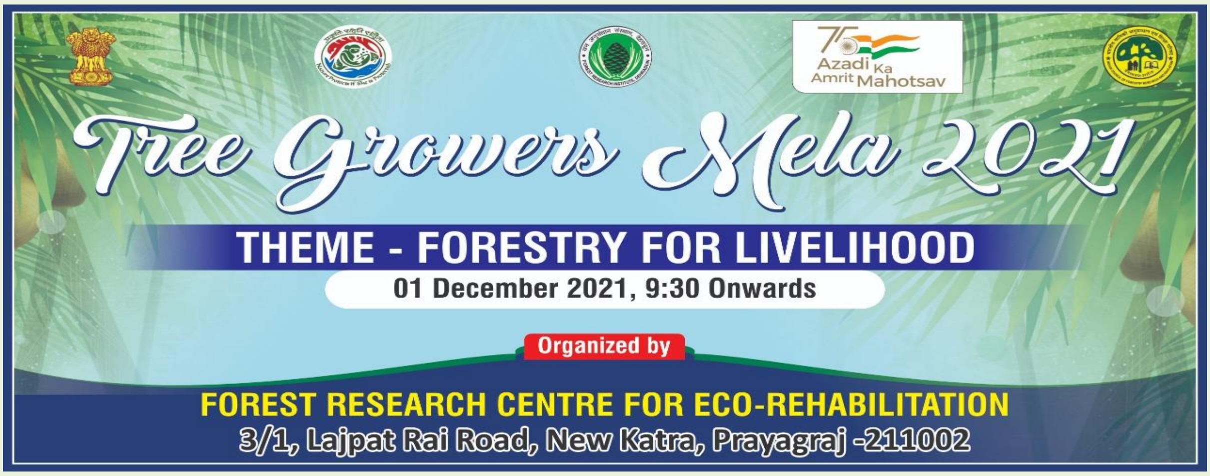

Tree Growers' Mela on the theme 'Forestry for Livelihood' was organised by FRCER, Prayagraj on 1st December, 2021 under Azadi ka Amrit Mahotsav. It consisted of exhibitions stalls set up by various organizations and full day technical sessions in which forestry experts delivered lectures for the benefit of farmers. The TGM attracted more than 5000 visitors.

The stalls were established by FRCER, Sam Higginbottom University of Agriculture, Technology and Sciences (SHUATS) Prayagraj, Yash Krishi Takniki Evam Vigyan Kendra, Forest Department Kaushambi, Forest Department Prayagraj, Central Inland Fisheries Research Institute (CIFRI), Prayagraj, IFFCO CORDET, Prayagraj, Allahabad Advance Agri Solutions, Centre for Science and Society (University of Allahabad), Vimal Ajeevika Mahila Swayam Sahayta Samooh, Green Gold Farmers Company Ltd. etc.

The programme was inaugurated by the chief guest Dr. Ajay Kumar, MLA, Bara, Prayagraj while Dr. M.P. Singh, KVK In-Charge, Ganga par region, Praygaraj was the special guest of the event. At the outset Introductory Speech was given by Dr. Kumud Dubey Extension In-Charge which was followed by lighting of lamp

by the distinguished guests and scientists of FRCER. Thereafter, in his Welcome Address Dr. Sanjay Singh, Head, FRCER emphasized on the importance of such melas for promotion tree planting for income generation of the farmers through several promising alternatives such as Drumstick, Melia Dubia, Gamhar, Teak, Poplar, Amla and Shisham are available.

The chief guest of the program, Dr. Ajay Kumar appreciated the fair organized by the center and encouraged the researchers of the center. He called upon the scientists to spread forestry to the general public in the society by not limiting the research to books and laboratories. He described social forestry as the only way and forestry scientists as the torch bearers in environmental improvement.

The inaugural session ended with vote of thanks by Dr. Anita Tomar, Scientist F, FRCER, Prayagraj.

The first technical session was chaired by Mr. A.P. Sinha, G.M. Forest Corporation, Prayagraj and Dr. Vibha Mishra, Project Director, MSME, Prayagraj. The first lecture was from the director of Allahabad Advance Agri Solutions, Dr. Gaurav Krishna. The topic of his lecture was 'Quality seedling production through tissue culture'. Through his lecture he informed the audience the process and steps of tissue culture which may be adopted for best quality seedling production and how it can be used most effectively. He explained about banana and bamboo tissue culture. It was followed by the lecture of Dr. Hemant Kumar from SHUATS on the topic 'Forestry for farmers.' In his lecture he talked about how agroforestry can be best utilised by farmers for maximum benefit.

After the first technical session, a street play 'Har med Par Ek Ped' was performed by Nukkad Nataya Abhinay Sansthan, Prayagraj, for forestry awareness. Second technical session was chaired by Dr. Vibha Mishra, Director MSME, and co-chaired by Dr. Kalpana Srivastava, Senior Technical Officer, CIFRI, Prayagraj. The first lecture in the second technical session was from CIFRI by Dr. V.R. Thakur on the topic 'Income generation through pisciculture.' He explained in detail the process and steps involved in fish farming, and how can it be utilised to generate maximum income. The second lecture in this session was by Yash Krishi Takniki Evam Vigyam Kendra on the topic 'Micro bio-fertilizer & microbial bio-control', it was followed by a lecture from Mr. Manoj Mishra, a progressive farmer on 'Organic farming'. The last lecture of the day was by Mr. Basharat Khan on 'Lac culture'. After the technical sessions, a discussion session between Experts and farmers was organised for clearing doubts or queries of the farmers.

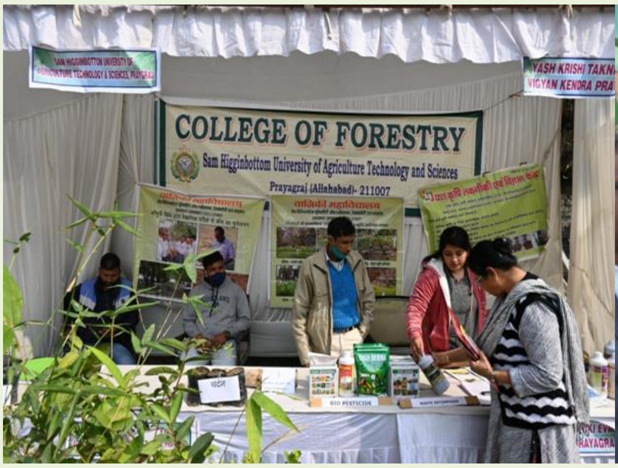

Award and Felicitation Ceremony

The honorary guests for the award and felicitation ceremony were Chief Conservator of Forest, Prayagraj, Mr. N. Ravindra, and Dr. Arti Garg, In-Charge, Botanical Survey of India, Prayagraj. This session started with the welcome speech for the honorary guests by Head, FRCER, Dr. Sanjay Singh. Thereafter Mr. N. Ravindra and Dr. Arti Garg also gave a speech to motivate and thank the participants for establishing the stalls. This was followed by felicitation of participants for establishing stalls and felicitation of invited lecturers. The

programme was concluded by vote of thanks by extension in-charge Dr. Kumud Dubey. Dr. Anubha Srivastava, Dr. S.D. Shukla, Mr. Ratan Gupta, Dr. Pramila Gupta, Mr. Birendra Singh, Dr. Ram Bharose, Mr. Vinod Sharma, Dr. Aparna Pandey, Dr. Rohit Mishra, Dr. Ashish Ratn Mishra, Dr. Ekta Pathak Mishra, Dr. Meenakshi Rathore, Ms. Amita Mishra and others were present in the programme. Researchers from FRCER actively participated in the programme.

वृक्ष उत्पादक मेला -2021
विषय - आजीविका हेतु वानिकी

वृक्ष उत्पादक मेला -2021

वृक्ष उत्पादक मेला -2021
विषय - आजीविका हेतु वानिकी

वृक्ष उत्पादक मेला -2021
विषय - आजीविका हेतु वानिकी

वृक्ष उत्पादक मेला -2021

वृक्ष उत्पादक मेला -2021
विषय - आजीविका हेतु वानिकी

वृक्ष उत्पादक मेला -2021
विषय - आजीविका हेतु वानिकी

वानिकी

हेतु वानिकी
सुबह 9:30 बजे से

विषय - आजीविका हेतु वानिकी
01 दिसम्बर 2021, समय - सुबह 9:30 बजे से
आयोजक
FRCER

वृक्ष उत्पादक मेला -2021
विषय - आजीविका हेतु वानिकी

Press & Media Coverage

किसानों की आय बढ़ाएगा 'मेड़ पर पेड़' का विकल्प

▸ नुक्कड़ नाटक के जरिए किसानों को किया गया जागरूक

भास्कर न्यूज

प्रयागराज। किसानों की आय बढ़ाने और जागरुक करने के उद्देश्य से वन अनुसंधान केंद्र और भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून के संयुक्त तत्वावधान में नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस नाटक के जरिए किसानों को आय बढ़ाने के तरीके सुझाए गए, साथ ही मेड़ पर पेड़ लगाकर दोहरा लाभ कमाने केलिए प्रेरित किया गया। 'वृक्ष उत्पादक मेला 2021' के तहत नाटक का मंचन नुक्कड़ नाट्य अभिनय संस्थान के कलाकारों ने किया। आजीविका के लिए वानिकी विषय पर तैयार नुक्कड़ नाटक 'मेड़ पर पेड़' किसानों को दोगुनी आय एवं खेती के साथ-साथ मेड़ों से कैसे पैसे कमा सकते हैं, के विषय में बहुत ही मनोरंजन तरीके से दर्शकों को बताया गया। उक्त नुक्कड़ नाटक में डायरेक्टर संजय सिंह ने भी प्रतिभाग किया और कलाकारों के साथ कलाकार बनकर दर्शकों के सवालों का जवाब दिया। अंत में कलाकारों के साथ वैज्ञानिक डॉक्टर कुमुद दुबे ने अब हर मेड़ पर पेड़ लगाओ, अपनी आय को दोगुनी बनाओ, गाना गाकर दर्शकों को पेड़ लगाने के लिए प्रेरित भी किया।

एफआरसी निदेशक संजय सिंह ने कहा कि हम जो बात अपने इस संगोष्ठी में समझाने की कोशिश कर रहे थे, उससे बेहतरीन नुक्कड़ नाटक के कलाकारों ने हमे समझाया और बताया। नुक्कड़ नाटक वास्तव में अभिव्यक्ति का सबसे सशक्त माध्यम है। 'वृक्ष उत्पादक मेरा 2021' में इफको, सामाजिक वानिकी प्रभाग प्रयागराज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, कृषि विभाग इत्यादि विभागों से आए अधिकारियों ने नुक्कड़ नाटक की सराहना की। इस नुक्कड़ नाटक का लेखन संतोष कुमार एवं परिकल्पना और निर्देशन कृष्ण कुमार मौर्य का रहा। कलाकारों में कनिष्क सिंह, कौस्तुभ पांडेय, अंजू वर्मा, अरविंद यादव, अभिषेक खत्री, प्रदीप कुमार, हर्ष राजपाल, शीतल कुमार, राहुल कुमार, विक्रम सिंह, एवं कृष्ण कुमार मौर्य रहे।

अमृत महोत्सव के अंतर्गत 'आजीविका में सुधार' पर 'वृक्ष उत्पादक मेला'

दी गई पौधरोपण से जुड़ीं तकनीकी जानकारियां

प्रयागराज। पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र की ओर से किसानों की आय बढ़ाने के विषय पर लाजपत राय स्थित केंद्र परिसर में बुधवार को वृक्ष उत्पादक मेला लगाया गया। इस मेले में कई विभागों की ओर से प्रदर्शन स्टाल लगाए गए थे, जिन्हें स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। बतौर मुख्य अतिथि बारा के विधायक डॉ.अजय कुमार भारती ने मेले का उद्घाटन किया। इस दौरान नुक्कड़ नाट्य अभिनय संस्थान की ओर से नुक्कड़ नाटक 'मेड़ पर पेड़' के मंचन के माध्यम से कृषि वानिकी का संदेश दिया गया। कार्यक्रम वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एसडी शुक्ला एवं रतन गुप्ता मौजूद रहे।

सामाजिक वानिकी से बढ़ेगी किसानों की आय

जासं, प्रयागराज : पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र की ओर से आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत आजीविका में सुधार विषय पर एक दिवसीय वृक्ष उत्पादक मेला बुधवार को लगाया गया। मेले का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि विधायक डॉ. अजय कुमार भारती ने किया। कहाकि वर्तमान समय में किसानों की आय बढ़ाने में सामाजिक वानिकी अहम है। केंद्र प्रमुख डा. संजय सिंह ने स्वागत और मेला लगाने के उद्देश्य को बताया। मुख्य वन संरक्षक एन रवींद्र, वैज्ञानिक डा. कुमुद दुबे, डा. अनीता तोमर ने विचार रखे। आलोक यादव, डा. अनुभा श्रीवास्तव ने किसानों से संवाद किया। डा. एसडी शुक्ला, रतन गुप्ता, साजन कुमार आदि मौजूद रहे।

अमृत महोत्सव के अंतर्गत 'आजीविका में सुधार' पर 'वृक्ष उत्पादक मेला'

प्रयागराज(नि.सं.)।पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र, प्रयागराज द्वारा केन्द्र परिसर में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत 'आजीविका में सुधार' विषय पर एक दिवसीय 'वृक्ष उत्पादक मेला' का आयोजन किया गया। मेला का उद्घाटन डा0 अजय कुमार, विधायक, बारा, प्रयागराज द्वारा किया गया। मेला की शुरुआत मुख्य अतिथि तथा डा0 संजय सिंह, प्रमुख के साथ केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ। डा0 सिंह ने अपने स्वागत भाषण में केन्द्र द्वारा आयोजित मेला के उद्देश्य को बताया। उन्होने प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा वानिकी प्रसार हेतु दिये गये सुझाव के अंतर्गत यूकेलिप्टस के स्थान पर वैकल्पिक वृक्ष सहजन, मीलिया डूबिया, गम्हार, सागौन, पॉपलर, आँवला तथा शीशम आदि प्रजातियों के रोपण पर प्रकाश डाला, जो कि कृषिवानिकी के माध्यम से किसानों के लिए लाभदायक सिद्ध होंगे साथ ही उपस्थित कृषि वैज्ञानिकों से वानिकी विस्तार के माध्यम से पर्यावरण तथा किसानों की आय को बढ़ाने हेतु कदम से कदम मिलाकर चलने का आह्वान किया। डा0 सिंह ने कृषिवानिकी के विभिन्न लाभदायक प्रजातियों के आर्थिक महत्व पर प्रकाश डाला तथा शोध द्वारा स्थानीय जलवायु हेतु चयनित रोपण सामग्री प्रदान करने का आश्वासन भी दिया। कार्यक्रम की आयोजन सचिव तथा वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 कुमुद दूबे ने मेले के माध्यम से आजीविका बढ़ाने में वानिकी के हस्तक्षेप पर प्रकाश डाला। उन्होने आयोजित मेले में विभिन्न संस्थानों तथा 30 प्र0 वन विभाग व वन निगम द्वारा लगाये गये प्रदर्शन शिविर के बारे में प्रकाश डाला तथा प्रदेश सरकार द्वारा संचालित वन निगम की पर्यावरण में भूमिका से भी अवगत कराया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा0 अजय कुमार ने केन्द्र द्वारा आयोजित मेला की सराहना करते हुए केन्द्र के अनुसंधानकर्ताओं का उत्साह वर्द्धन किया। उन्होने वैज्ञानिकों से अनुसंधान को किताबों तथा प्रयोगशाला तक सीमित न रखकर समाज में सामान्य जन हेतु वानिकी के प्रसार का आह्वान किया साथ ही वेद व पुराणों के कुछ चर्चित किस्सों के माध्यम से वानिकी को बढ़ाने पर बल दिया। उन्होने पर्यावरण सुधार में सामाजिक वानिकी को ही एकमात्र मार्ग तथा वैज्ञानिकों को पथ प्रदर्शक बताया। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 अनीता तोमर ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। डा0 अजय ने मेले में विभिन्न संस्थानों द्वारा लगाये गये प्रदर्शन शिविर का भ्रमण किया तथा उनसे अपने अनुभव साझा करते हुए उन्हे कुछ सुझाव भी दिये। कार्यक्रम मे प्रदेश के विभिन्न जनपदों से करीब दो - ढाई हजार उपस्थित किसानों ने विभिन्न संस्थानों द्वारा लगाये गये प्रदर्शन शिविरों के माध्यम से अपनी आय को बढ़ाने हेतु वानिकी संबंधित जानकारियां प्राप्त की। कार्यक्रम मे एक नुक्कड़ नाटक आयोजित किया गया जिसका विषय 'मेड़ पर पेड़' था, जिसके माध्यम से कृषिवानिकी को बढ़ावा देने पर बल दिया गया। कार्यक्रम के अंतिम सत्र मे विशिष्ट अतिथि एन0 रवीन्द्र, मुख्य वन संरक्षक, प्रयागराज द्वारा सभी प्रदर्शन स्टाल को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु स्मृति चिन्ह तथा प्रमाण पत्र दिया। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव तथा डा0 अनुभा श्रीवास्तव द्वारा कृषकों से संवाद स्थापित किया गया। कार्यक्रम का सफल आयोजन डा0 एस0 डी0 शुक्ला, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी तथा रतन गुप्ता के मार्गदर्शन में साजन कुमार एवं विभिन्न परियोजनाओ में कार्यरत शोधछात्रो द्वारा सम्पन्न हुआ।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाईस्कूल परीक्षा वर्ष 2017 अनुक्रमांक 1805493 का प्रमाण पत्र वास्तव में खो गया है।

अनुसुइया पाण्डेय
पुत्री सोमनाथ पाण्डेय
पता- दहियावां प्रयागराज

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा इंटर परीक्षा वर्ष 2008 अनुक्रमांक 1434856 का प्रमाण पत्र वास्तव में वास्तव में खो गया है।

र व्यक्ति तक पहुंचाने का प्रयासः प्रेम प्रकाश

अमृत महोत्सव के अंतर्गत 'आजीविका में सुधार' पर 'वृक्ष उत्पादक मेला'

प्रयागराज, ०१ दिसम्बर । पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र, प्रयागराज द्वारा केन्द्र परिसर में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत "आजीविका में सुधार" विषय पर एक दिवसीय "वृक्ष उत्पादक मेला" का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि बारा विधायक डॉ अजय कुमार ने वैज्ञानिकों से अनुसंधान को किताबों तथा प्रयोगशाला तक सीमित न रखकर समाज में सामान्य जन हेतु वानिकी के प्रसार का आह्वान किया। साथ ही वेद व पुराणों के कुछ चर्चित किस्सों के माध्यम से वानिकी को बढ़ाने पर बल दिया। उन्होने पर्यावरण सुधार में सामाजिक वानिकी को ही एकमात्र मार्ग तथा वैज्ञानिकों को पथ प्रदर्शक बताया। डॉ अजय ने मेले में विभिन्न संस्थानों द्वारा लगाये गये प्रदर्शन शिविर का भ्रमण किया तथा उनसे अपने अनुभव साझा करते हुए उन्हे कुछ सुझाव भी दिये। केन्द्र प्रमुख डॉ संजय सिंह ने स्वागत भाषण में केन्द्र द्वारा आयोजित मेला के उद्देश्य को बताया। उन्होने प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा वानिकी प्रसार हेतु दिये गये सुझाव के अंतर्गत यूकेलिप्टस के स्थान पर वैकल्पिक वृक्ष सहजन, मीलिया डूबिया, गम्हार, सागौन, पॉपलर, आँवला तथा शीशम आदि प्रजातियों के रोपण पर प्रकाश डाला। जो कृषिवानिकी के माध्यम से किसानों के लिए लाभदायक सिद्ध होंगे। डॉ सिंह ने शोध द्वारा स्थानीय जलवायु हेतु चयनित रोपण सामग्री प्रदान करने का आश्वासन भी दिया। कार्यक्रम की आयोजन सचिव तथा वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ कुमुद दूबे ने मेले के माध्यम से आजीविका बढ़ाने में वानिकी के हस्तक्षेप पर प्रकाश डाला। उन्होने आयोजित मेले में विभिन्न संस्थानों तथा उप्र वन विभाग व वन निगम द्वारा लगाये गये प्रदर्शन शिविर के बारे में चर्चा की। प्रदेश सरकार द्वारा संचालित वन निगम की पर्यावरण में भूमिका से भी अवगत कराया। कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से करीब दो-ढाई हजार उपस्थित किसानों ने विभिन्न संस्थानों द्वारा लगाये गये प्रदर्शन शिविरों के माध्यम से अपनी आय बढ़ाने हेतु वानिकी सम्बंधित जानकारियां प्राप्त की। कार्यक्रम में एक नुक्कड़ नाटक आयोजित किया गया जिसका विषय "मेड़ पर पेड़" था। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ अनीता तोमर ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

अंत में विशिष्ट अतिथि एन. रवीन्द्र, मुख्य वन संरक्षक, प्रयागराज ने सभी प्रदर्शन स्टाल को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु स्मृति चिन्ह तथा प्रमाण पत्र दिया। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव तथा डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने कृषकों से संवाद स्थापित किया। कार्यक्रम का आयोजन वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ एस.डी शुक्ला तथा रतन गुप्ता के मार्गदर्शन में साजन कुमार एवं विभिन्न परियोजनाओ में कार्यरत शोधछात्रों द्वारा सम्पन्न हुआ।

www.jagran.com

संगम सभागार में खोजते रहे किसान

सामाजिक वानिकी से बढ़ेगी किसानों की आय

जासं, प्रयागराज : पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र की ओर से आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत आजीविका में सुधार विषय पर एक दिवसीय वृक्ष उत्पादक मेला बुधवार को लगाया गया। मेले का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि विधायक डॉ. अजय कुमार भारती ने किया। कहाकि वर्तमान समय में किसानों की आय बढ़ाने में सामाजिक वानिकी अहम है। केंद्र प्रमुख डा. संजय सिंह ने स्वागत और मेला लगाने के उद्देश्य को बताया। मुख्य वन संरक्षक एन रवींद्र, वैज्ञानिक डा. कुमुद दुबे, डा. अनीता तोमर ने विचार रखे। आलोक यादव, डा. अनुभा श्रीवास्तव ने किसानों से संवाद किया। डा. एसडी शुक्ला, रतन गुप्ता, साजन कुमार आदि मौजूद रहे।

वृक्ष उत्पादक मेले में दी अहम जानकारियां

प्रयागराज (पंजाब केसरी): पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र द्वारा केन्द्र परिसर में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत आजीविका में सुधार विषयक एक दिवसीय वृक्ष उत्पादक मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. अजय कुमार विधायक बारा प्रयागराज, द्वारा किया गया। इस दौरान डॉ. सिंह ने अपने स्वागत भाषण में केन्द्र द्वारा आयोजित मेला के उद्देश्य को बताया। उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा वानिकी प्रसार हेतु दिये गये सुझाव के अंतर्गत यूकेलिप्टस के स्थान पर वैकल्पिक वृक्ष सहजन, मीलिया डूबिया, गम्हार, सागौन, पॉपलर, आंवला तथा शीशम आदि प्रजातियों के रोपण पर प्रकाश डाला, जो कि कृषिवानिकी के माध्यम से किसानों के लिए लाभदायक सिद्ध होंगे। उपस्थित कृषि वैज्ञानिकों से वानिकी विस्तार के माध्यम से पर्यावरण तथा किसानों की आय को बढ़ाने हेतु कदम से कदम मिलाकर चलने का आह्वान किया। डॉ. सिंह ने कृषिवानिकी के विभिन्न लाभदायक प्रजातियों के आर्थिक महत्व पर प्रकाश डाला। आयोजन सचिव तथा वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दूबे ने मेले के माध्यम से आजीविका बढ़ाने में वानिकी के हस्तक्षेप व आयोजित मेले में विभिन्न संस्थानों तथा उ.प्र. वन विभाग व वन निगम द्वारा लगाये गये प्रदर्शन शिविर के बारे में प्रकाश डाला। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने धन्यवाद ज्ञापित किया। डॉ. अजय ने मेले में विभिन्न संस्थानों द्वारा लगाये गये प्रदर्शन शिविर का भ्रमण किया तथा उनसे अपने अनुभव साझा करते हुए उन्हे कुछ सुझाव भी दिये। कार्यक्रम के अंतिम सत्र में विशिष्ट अतिथि एन. रवीन्द्र, मुख्य वन संरक्षक प्रयागराज, द्वारा सभी प्रदर्शन स्टाल को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु स्मृति चिन्ह तथा प्रमाण पत्र दिया गया।

एडीजी ने मिशन शक्ति फेज-3 का किया शुभारंभ : अपर पुलिस महानिदेशक प्रयागराज जोन प्रेम प्रकाश द्वारा रिज़र्व पुलिस लाइन में मिशन शक्ति फेस-3 के अंतर्गत महिला सुरक्षा, वीमेन पावर लाइन 1090 (शुभंकर) का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया गया। अपर पुलिस महानिदेशक प्रयागराज जोन द्वारा महिलाओं की सुरक्षा, गरिमा और सशक्तीकरण को बढ़ावा देने हेतु वीमेन पावर लाइन 1090 से संबंधित जानकारी प्रदान की गईं। साथ ही 1090 के विषय में प्रश्न पूछकर महिलाओं को सम्मानित किया गया।

कमाई बढ़ाने को वैकल्पिक पेड़ लगाने होंगे

प्रयागराज | वरिष्ठ संवाददाता

वो समय. गया जब खाली जमीन पर यूकेलिप्टस का पेड़ लगा देते थे। अब वानिकी क्षेत्र में किसानों को पुरानी सोच बदलनी होगी। यूकेलिप्टस की जगह सहजन, मीलिया डूबिया, गम्हार, सागौन, पॉपलर, आंवला, शीशम के पौधे लगाए जा सकते हैं। इनसे वन का विस्तार होगा औरकी आय भी बढ़ेगी।

इसी उद्देश्य से आजीविका में सुधार विषय पर एक दिवसीय वृक्ष उत्पादक मेला में किसानों से वैज्ञानिकों ने किसानों से कृषि वानिकी के प्रति सोच बदलने का आह्वान किया। लाजपत राय मार्ग स्थित पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र में बुधवार को आयोजित एकदिवसीय मेले के मुख्य अतिथि बारा के विधायक डॉ अजय भारती ने कहा कि कृषि वैज्ञानिक अपने अनुसंधानों को किताबों और प्रयोगशाला तक ही सीमित न रखें।

विधायक ने कहा कि किसी भी देश की प्रगति के लिए जल, जमीन, जंगल का

वानिकी मेला

- आजीविका में सुधार विषय पर वृक्ष उत्पादक मेले में आह्वान
- शोध को किताबों और लैब तक सीमित न रखें : डॉ अजय भारती

तंदरुस्त होना जरूरी है। इसी से किसानों की आय बढ़ेगी और वानिकी का विस्तार होगा। अध्यक्षता करते हुए पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र के प्रमुख डॉ संजय सिंह ने कृषि वानिकी के विभिन्न लाभदायक प्रजातियों के आर्थिक महत्व पर प्रकाश डाला। और शोध की मदद से स्थानीय जलवायु के अनुसार चयनित रोपण सामग्री प्रदान करने का आश्वासन दिया। पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान [illegible] है। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दुबे ने आजीविका बढ़ाने में वानिकी के हस्तक्षेप पर प्रकाश डाला। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने किसानों से संवाद किया। डॉ. अनीता तोमर ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

छात्रों को इंडोनेशिया में

अमृत महोत्सव के अंतर्गत 'आजीविका में सुधार' पर 'वृक्ष उत्पादक मेला'

प्रयागराज, ०१ दिसम्बर । पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र, प्रयागराज द्वारा केन्द्र परिसर में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत "आजीविका में सुधार" विषय पर एक दिवसीय "वृक्ष उत्पादक मेला" का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि बारा विधायक डॉ अजय कुमार ने वैज्ञानिकों से अनुसंधान को किताबों तथा प्रयोगशाला तक सीमित न रखकर समाज में सामान्य जन हेतु वानिकी के प्रसार का आह्वान किया। साथ ही वेद व पुराणों के कुछ चर्चित किस्सों के माध्यम से वानिकी को बढ़ाने पर बल दिया। उन्होने पर्यावरण सुधार में सामाजिक वानिकी को ही एकमात्र मार्ग तथा वैज्ञानिकों को पथ प्रदर्शक बताया। डॉ अजय ने मेले में विभिन्न संस्थानों द्वारा लगाये गये प्रदर्शन शिविर का भ्रमण किया तथा उनसे अपने अनुभव साझा करते हुए उन्हे कुछ सुझाव भी दिये। केन्द्र प्रमुख डॉ संजय सिंह ने स्वागत भाषण में केन्द्र द्वारा आयोजित मेला के उद्देश्य को बताया। उन्होने प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा वानिकी प्रसार हेतु दिये गये सुझाव के अंतर्गत यूकेलिप्टस के स्थान पर वैकल्पिक वृक्ष सहजन, मीलिया डूबिया, गम्हार, सागौन, पॉपलर, आँवला तथा शीशम आदि प्रजातियों के रोपण पर प्रकाश डाला। जो कृषिवानिकी के माध्यम से किसानों के लिए लाभदायक सिद्ध होंगे। डॉ सिंह ने शोध द्वारा स्थानीय जलवायु हेतु चयनित रोपण सामग्री प्रदान करने का आश्वासन भी दिया। कार्यक्रम की आयोजन सचिव तथा वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ कुमुद दूबे ने मेले के माध्यम से आजीविका बढ़ाने में वानिकी के हस्तक्षेप पर प्रकाश डाला। उन्होने आयोजित मेले में विभिन्न संस्थानों तथा उप्र वन विभाग व वन निगम द्वारा लगाये गये प्रदर्शन शिविर के बारे में चर्चा की। प्रदेश सरकार द्वारा संचालित वन निगम की पर्यावरण में भूमिका से भी अवगत कराया। कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से करीब दो-ढाई हजार उपस्थित किसानों ने विभिन्न संस्थानों द्वारा लगाये गये प्रदर्शन शिविरों के माध्यम से अपनी आय बढ़ाने हेतु वानिकी सम्बंधित जानकारियां प्राप्त की। कार्यक्रम में एक नुक्कड़ नाटक आयोजित किया गया जिसका विषय "मेड़ पर पेड़" था। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ अनीता तोमर ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

अंत में विशिष्ट अतिथि एन. रवीन्द्र, मुख्य वन संरक्षक, प्रयागराज ने सभी प्रदर्शन स्टाल को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु स्मृति चिन्ह तथा प्रमाण पत्र दिया। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव तथा डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने कृषकों से संवाद स्थापित किया। कार्यक्रम का आयोजन वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ एस.डी शुक्ला तथा रतन गुप्ता के मार्गदर्शन में साजन कुमार एवं विभिन्न परियोजनाओ में कार्यरत शोधछात्रों द्वारा सम्पन्न हुआ।

अमृत महोत्सव के अंतर्गत 'आजीविका में सुधार' पर 'वृक्ष उत्पादक मेला'

प्रयागराज। पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र, प्रयागराज द्वारा केन्द्र परिसर में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत 'आजीविका में सुधार' विषय पर एक दिवसीय 'वृक्ष उत्पादक मेला' का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि बारा विधायक डॉ अजय कुमार ने वैज्ञानिकों से अनुसंधान को किताबों तथा प्रयोगशाला तक सीमित न रखकर समाज में सामान्य जन हेतु वानिकी के प्रसार का आह्वान किया। साथ ही वेद व पुराणों के कुछ चर्चित किस्सों के माध्यम से वानिकी को बढ़ाने पर बल दिया। उन्होने पर्यावरण सुधार में सामाजिक वानिकी को ही एकमात्र मार्ग तथा वैज्ञानिकों को पथ प्रदर्शक बताया। डॉ अजय ने मेले में विभिन्न संस्थानों द्वारा लगाये गये प्रदर्शन शिविर का भ्रमण किया तथा उनसे अपने अनुभव साझा करते हुए उन्हे कुछ सुझाव भी दिये।

केन्द्र प्रमुख डॉ संजय सिंह ने स्वागत भाषण में केन्द्र द्वारा आयोजित मेला के उद्देश्य को बताया। उन्होने प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा वानिकी प्रसार हेतु दिये गये सुझाव के अंतर्गत यूकेलिप्टस के स्थान पर वैकल्पिक वृक्ष सहजन, मीलिया डूबिया, गम्हार, सागौन, पॉपलर, आँवला तथा शीशम आदि

प्रजातियों के रोपण पर प्रकाश डाला। जो कृषिवानिकी के माध्यम से किसानों के लिए लाभदायक सिद्ध होंगे। डॉ सिंह ने शोध द्वारा स्थानीय जलवायु हेतु चयनित रोपण सामग्री प्रदान करने का आश्वासन भी दिया।

कार्यक्रम की आयोजन सचिव तथा वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ कुमुद दूबे ने मेले के माध्यम से आजीविका बढ़ाने में वानिकी के हस्तक्षेप पर प्रकाश डाला। उन्होने आयोजित मेले में विभिन्न संस्थानों तथा उप्र वन विभाग व वन निगम द्वारा लगाये गये प्रदर्शन शिविर के बारे में चर्चा की। प्रदेश सरकार द्वारा संचालित वन निगम की पर्यावरण में भूमिका से भी अवगत कराया।

कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से करीब दो-ढाई हजार उपस्थित किसानों ने विभिन्न संस्थानों द्वारा लगाये गये प्रदर्शन शिविरों के माध्यम से अपनी आय बढ़ाने हेतु वानिकी सम्बंधित जानकारियां प्राप्त की। कार्यक्रम में एक नुक्कड़ नाटक आयोजित किया गया जिसका विषय ÷मेड़ पर पेड़÷ था। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ अनीता तोमर ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

अंत में विशिष्ट अतिथि एन. रवीन्द्र, मुख्य वन संरक्षक, प्रयागराज ने सभी प्रदर्शन स्टाल को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु स्मृति चिन्ह तथा प्रमाण पत्र दिया। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव तथा डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने कृषकों से संवाद स्थापित किया। कार्यक्रम का आयोजन वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ एस.डी शुक्ला तथा रतन गुप्ता के मार्गदर्शन में साजन कुमार एवं विभिन्न परियोजनाओ में कार्यरत शोधछात्रों द्वारा सम्पन्न हुआ।

On day programme on topic improving livelihood of farmers organized

Prayagraj: on Wednesday, a one-day "Vriksha Udapadak Mela" was organized by 'Eco-Resettlement Forest Research Center', Prayagraj on the topic "Improving Livelihood" under the 'Amrit Mahotsav' a programme organized to celebrate 75 years of Independence Day.

The programme was inaugurated by Dr. Ajay Kumar, MLA, Bara, Prayagraj. The programme commenced with the lighting of the lamp by the scientists of the center along with the chief guest and Dr. Sanjay Singh. In his welcome address, Dr. Singh informed about the motive behind organizing the programme. He said on the suggestion given by the Chief Minister of the State for forestry expansion, he highlighted planting of alternative tree species like Drumstick, Meilia Dubia, Gamhar, Teak, Poplar, Amla and Sheesham in place of Eucalyptus. Which will prove beneficial for the farmers through agroforestry and also called upon the agricultural scientists present to walk step by step to increase farmers' income through forestry expansion. Dr. Singh highlighted the economic importance of various beneficial species of agro-forestry and also assured to provide selected planting material for the local climate through research. Organizing Secretary and Senior Scientist Dr. Kumud Dubey highlighted the intervention of forestry in increasing livelihood. In the programme organized, he threw light on the various institutions and camps organized by the UP Forest Department and Forest Corporation and also apprised about the role of the Forest Corporation run by the State Government in the environment. The chief guest of the program, Dr. Ajay Kumar, appreciated the programme organized by the center and encouraged the researchers of the center. He described social forestry as the only way and scientists as the guide in environmental improvement. Dr. Anita Tomar, Senior Scientist at the Center proposed vote of thanks. Dr. Ajay visited the camps organized by various institutions during the programme and shared his experiences with them and also gave them suggestions. In the program, more than two thousand farmers from different districts of the state got information related to forestry to increase their income. A street play was organized in the program with the theme "Med Par Ped", through which emphasis was laid down on to promote agro-forestry. In the last session of the program, special guest N. Ravindra, chief Forests Conservation, Prayagraj presented memento and certificate to all the performance stalls installed in premises for their excellent performance.